राग - पूर्वी

थाट - पूर्वी
समय - रात्रि का प्रथम प्रहर
वादी - ग
संवादी - नी
जाति - संपूर्ण / संपूर्ण
वर्ज्य - शून्य
कोमल रे ध और दोनों म का प्रयोग
प्रकृति - गंभीर

आरोह - सा रे ग, मं प ध नी सां
या नी रे ग मंप, मंधनीसां
अवरोह - सांनीरेंनीधप, पमंमं, गम, रेगS रेगमग, मंगरेसा
पकड़ - पमंमं, गमरेगS रेगमग रेगS मंगरेसा।

सरगम - गीत

नी रे	ग ग मं	ग रे	ग रे सा
नी नी	सा रे ग	रे ग	म ग ग
म गं	मं ध मं	रें नी	ध नी ध
प मं	ग मं ध	म ग	ग रे सा
X	2	0	3
मं ग	मं ध मं	सां -	नी रें सां
नी रें	गं रें सा	नी रें	नी ध प
मं ध	नी ध रें	नी ध	नी ध प
सां नी	ध प म	ग रे	ग रे सा
X	2	0	3
धीं ना	धीं धीं ना	तीं ना	धीं धीं ना

झपताल

शास्त्रीय जानकारी -

यह पूर्वी थाट का जनक राग है। इस राग की जाति को लेकर मतभेद हो सकते हैं। ऐसे तो सरल रूप से पंचम वर्जित रहता है। इस प्रकार इसकी जाति षाडव / संपूर्ण मानी जाती है। लेकिन नीरे, गमंप, मंप धप, इस प्रकार पंचम का प्रयोग होता ही है। इसलिये जाति संपूर्ण / संपूर्ण मानना सुसंगत है। राग का उठाव करते समय सरल रूप से मध्यम षड्ज भी वर्जित रहता है। जैसे- नीरेग। इसका यह मतलब नहीं है कि षड्ज वर्जित है। राग के मुख्य अंग में बताये अनुसार ही शुद्ध मध्यम का प्रयोग नहीं हो सकता। इस राग के निकटवर्ती राग पूरीयाधनाश्री एवं श्री हैं। यह एक प्राचीन और प्रसिद्ध राग है। इस राग से बहुत से राग उत्पन्न हुए हैं। ख्याल, ध्रुपद, और धमार गाये जाते हैं। शांत और श्रृंगार रस का द्योतक है। अत्यंत परिश्रम के बाद ही पूर्वी राग के स्वर गले में ठीकतौर से जमते हैं। स्वरों के मर्मज्ञ गायकों - गुरु के सामने बैठ कर ही पूर्वी राग की शिक्षा ग्रहण करनी चाहिये।

स्वर - विस्तार -

(1) सा, नीरेसा, नीरेनीधनी ऽऽ धनीसा ऽऽ नीरेसा नीरेनीधप मंपधप, नीधप, मेंधनीधप मेंधनीसां ऽ नीरेसा

2) नीरेनीधनीसा, नीरेनीसा, नीरेग, गरेग, गरेमग, गमरेमऽ रेगमऽग, मंगरेसा, नीरेसा।

3) नीरेगम, रेगऽ रेमग, गरेगमरेगऽ, रेगमग, मं मं

गमरेगऽ रेगमग, नीरेगमंपऽऽ पऽऽमं गम रेगऽ

रेगमग गमंधमं, गरेसा

छोटा ख्याल

राग - पूर्वी ताल - त्रिताल

स्थाई - कगवा बोले मोरी अटरीयाँ,
टरिया सगुन भईलवा,
सखी मोरी भुजवा फरकन लागी।

अंतरा - अवन करो तुम मोरे पियरवा।
डारु गले फूलन के हरवा,
सखी मोरी उनपर तनमन वारी

मं ध प मं	ग म ग रे	ग - नी रे	ग म ग -
क ग वा -	बो - ले -	मो - री अ	ट री या -
सा सा मं ग	प - - -	मं ग - मं	ग रे सा -
ट री याँ -	- - - -	सं गु - भ	ई ल वा -
नी नी सा सा	ग ग मं ध	सां नी ध प	ग म ग -
स खी मोरी	भु ज वा -	फ र क न	ला - गी -
0	3	×	2

अंतरा

मं मं ग ग	मं - ध मं	सां - सां सां	नी रें सां -
अ व न क	रो - तु म	मो - रे पि	य र वा -
नी - नी ध	नी - नी ध	नी रे नी ध	नी ध प -
डा - रु ग	ले - फु -	ल न के -	ह र वा -
नी नी रे रे	ग ग मं ध	रें नी ध प	मं ग म ग
स खी मोरी	उ न प र	त न म न	वा - री -
0	3	×	2